माननीय राज्यपाल का उद्घाटन भाषण (01-07-2023)

जब से मैंने असम के राज्यपाल का पद संभाला है, मेरी प्रबल इच्छा रही है कि मैं सभी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के प्रमुखों से मिलूं और उनकी कार्यप्रणाली से परिचित होऊं। वास्तव में यह भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राज्यपालों को दिए गए जनादेश का एक हिस्सा है। आज कुछ राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों को यहां आमंत्रित किया गया है, क्योंकि कुछ कारणों से हम उन्हें 15 और 16 जून, 2023 को आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन के लिए आमंत्रित नहीं कर सके थे।

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि आईआईटी गुवाहाटी जैसे कुछ तकनीकी संस्थान अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें मेरी हार्दिक बधाई। मैं चाहता हूँ कि अन्य संस्थान भी अच्छा प्रदर्शन कर विश्वविद्यालयों की बराबरी करें।

बंधुओं,

हमारे कुछ विशिष्ट विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के सम्मानित प्रमुखों को लगता है कि उनका एनईपी 2020 से कोई लेना-देना नहीं है। यदि ऐसा है, तो मुझे खेद है, मैं इससे सहमत नहीं। मेरा मानना है कि चिकित्सा, कानून, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी जैसे प्रत्येक विशिष्ट क्षेत्रों में एनईपी 2020 से बहुत अपेक्षाएं हैं।

इसलिए एनईपी 2020 के सफल कार्यान्वयन में आपकी तैयारियों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को इस कार्य में मदद करने की योजनाओं के बारे में जानना काफी प्रासंगिक होगा।

विशेष रूप से मैं 'भारतीय शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण' और शिक्षण कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' (आईकेएस) को शामिल करने के लिए आपकी रणनीति जानना चाहूंगा। लाइसेंस योग्य पेटेंट सहित अत्याधुनिक

अनुसंधान को प्रभावित करने के लिए आपकी रणनीति के बारे में जानना वास्तव में महत्वपूर्ण होगा। आपकी इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आईडीपी) एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिस पर हमें विचार करना चाहिए।

मैं इस एक दिवसीय बैठक की सफलता की कामना करता हूं।

जय हिन्द!